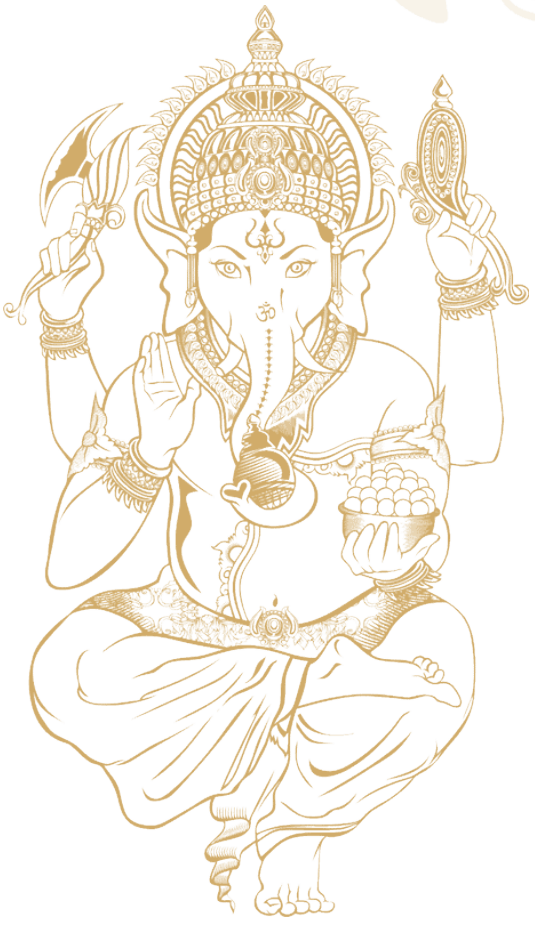

Naveen

Anjali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120929405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
07/11/1991	जन्म तिथि	17/09/1994
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 21:35:00	जन्म समय	14:05:00 घंटे
घटी 39:37:33	जन्म समय(घटी)	21:44:47 घटी
India	देश	India
Bhatpara	स्थान	Indore
22:51:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:43:58	सूर्योदय	06:13:35
16:55:09	सूर्यास्त	18:28:04
23:44:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:13

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 9दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी मंगल 2वर्ष 9मा 5दि
केतु	29:59:28	मिथु	लग्न	धनु	15:47:54	गुरु
18/05/2025	20:59:59	तुला	सूर्य	कन्या	00:26:40	24/06/2015
17/05/2032	05:04:11	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	01:23:53	24/06/2031
केतु 14/10/2025	21:13:20	तुला	मंगल	मिथु	26:05:45	गुरु 11/08/2017
शुक्र 14/12/2026	10:43:48	वृश्चि	बुध	कन्या	24:57:08	शनि 22/02/2020
सूर्य 21/04/2027	16:42:54	सिंह	गुरु	तुला	18:43:53	बुध 30/05/2022
चन्द्र 20/11/2027	04:34:45	कन्या	शुक्र	तुला	13:43:00	केतु 06/05/2023
मंगल 17/04/2028	07:22:28	मक	शनि व	कुंभ	14:03:17	शुक्र 04/01/2026
राहु 05/05/2029	17:29:32	धनु व	राहु व	तुला	22:20:49	सूर्य 23/10/2026
गुरु 11/04/2030	17:29:32	मिथु व	केतु व	मेष	22:20:49	चन्द्र 22/02/2028
शनि 21/05/2031	17:05:41	धनु	हर्ष व	धनु	28:41:28	मंगल 28/01/2029
बुध 17/05/2032	20:43:52	धनु	नेप व	धनु	26:51:04	राहु 24/06/2031
	26:19:23	तुला	प्लूटो	वृश्चि	01:59:42	

लग्न-चलित

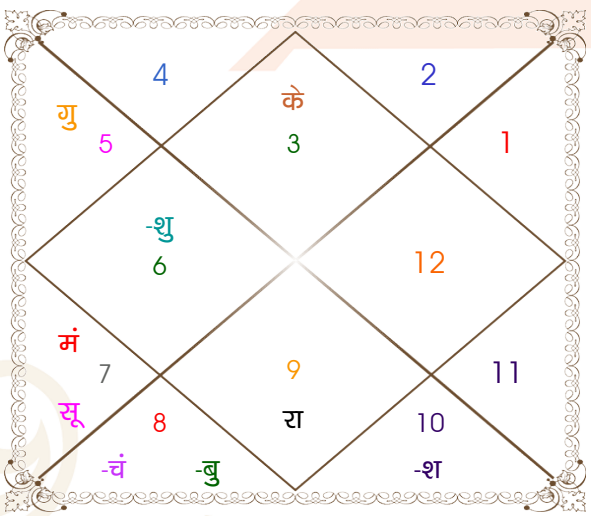

लग्न-चलित

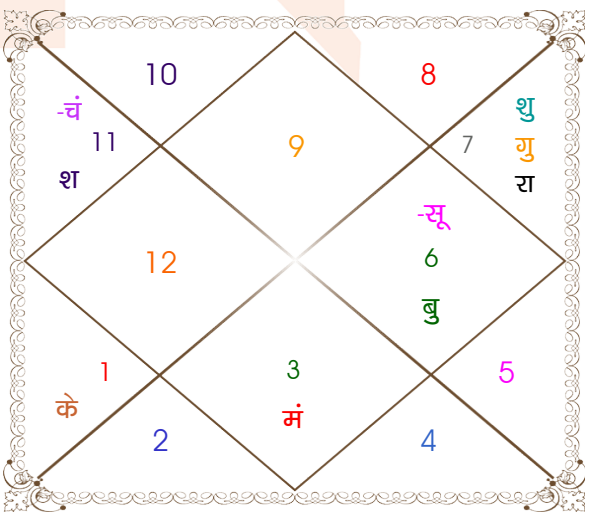

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा ।दरंसप का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और ।दरंसप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

।दरंसप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ।दरंसप कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Naveen कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा ।दरंसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।